*भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) *

प्रेस वार्ता मे वितरित हैंडआउट
रांची, 06 मई, 2022

आरएसएस - भाजपा की सूनियोजित नफरती साजिशों के खिलाफ पुरे झारखंड मे साझा अभियान चलाया जायेगा

माकपा का एलान

माकपा का राज्य सचिवमंडल आर एस एस - भाजपा की सूनियोजित नफरती साजिश के अन्तर्गत धार्मिक उन्माद फैलाए जाने के खिलाफ झारखंड मे सभी अमन पसंद और धर्मनिरपेक्ष शक्तियों के साथ मिलकर साझा अभियान चलाएगी. जिसका मुख्य लक्ष्य होगा सांप्रदायिक धुव्रीकरण के खिलाफ आपसी भाईचारा और सद्भावना.

इस अभियान की शुरुआत राजधानी रांची और उप राजधानी दुमका मे एक व्यापक उपस्थिति वाले जन कन्वेंशन से होगी. इसकी घोषणा आज माकपा सचिवमंडल की संपन्न हुई बैठक के बाद पार्टी राज्य मुख्यालय मे आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए माकपा राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कही. सचिवमंडल बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य मे होने जा रहे पंचायत चुनाव मे भी ग्रामीण मतदाताओं के नाम पार्टी द्वारा एक अपील जारी किया जा रह है जिसमें इस पंचायत चुनाव मे सांप्रदायिक उन्माद और उत्पात मे शामिल रहने वाले उम्मीदवारों को चिन्हित कर न केवल हराने का बल्कि इस प्रकार के प्रिष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराए जाने का आह्वान किया जायेगा.

माकपा सचिवमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की निर्वाचित सरकार को गिराने के लिए भाजपा और राज्य के गवर्नर जो कि राजभवन से भाजपा के एजेंट के रूप मे काम कर रहे हैं द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ लगातार षड्यंत्र रचने पर चिंता व्यक्त की है.इस के पहले उन्होंने भाजपा के कहने पर राज्य विधानसभा से पारित माब लिचिंग के खिलाफ बने विधेयक को वापस कर दिया था. उनका यह आचरण भारत के फेडरल स्वरूप के भी खिलाफ है. राज्यपाल के कहने पर ही केन्द्रीय चुनाव आयोग ने पत्थर खनन लीज मामले मे अपने स्पेशल दुत द्वारा मुख्यमंत्री को नोटिस भेज कर उसे तामिल कराते हुए मुख्यमंत्री को 10 मई तक अपना पक्ष रखने के लिए कहा है .इतना ही नहीं चुनाव आयोग द्वारा अति सक्रियता दिखाते हुए दो अन्य मामलों मे भी मुख्यमंत्री को नोटिस दिए जाने की तैयारी चल रही है.

2019 मे हुए विधानसभा चुनाव मे भाजपा अपनी हार को पचा नहीं नहीं पा रही है. इसलिए हेमंत सरकार को गिराने के लिए सभी प्रकार के हथकंडों का इस्तेमाल कर रही है.जिसमे गठबंधन के विधायकों की खरीद परोख्त की कोशिश भी शामिल है. हेमंत सरकार के अबतक के कार्यकाल मे जितने भी विधानसभा के सत्र हुए भाजपा ने संसदीय परंपराओं को तिलांजलि देकर विधानसभा को बाधित किए जाने का ही काम किया है.

भाजपा को भष्टाचार का मुद्दा उठाने से पहले अपने गिरेबां मे झांक कर देखना चाहिए कि उसके पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल मे मोमेंटम झारखंड के नाम पर कितना बड़ा घोटाला हुआ. उनकी ही पार्टी के सरयु राय ने किताब लिख कर सबूतों के साथ रघुवर दास पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. उसी प्रकार नेता विपक्ष की प्रतिक्षा सूची मे खड़े बाबु लाल मरांडी पर भी भष्टाचार के कई आरोप लगते रहे हैं.

राजनीति के संरक्षण मे हुए भष्टाचार के मामले मे सीपीएम का स्पष्ट कहना है कि भष्टाचार के किसी भी मामले मे जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए कानून को अपना काम करना चाहिए. चाहे आरोपित व्यक्ति किसी भी उच्च पद पर क्यों नहीं हो. लेकिन भाजपा अपने सांप्रदायिक धुव्रीकरण के एजेंडे को छिपाने के लिए एक सोची समझी रणनीति के तहत निर्वाचित सरकार को अपदस्थ किए जाने की सूनियोजित साजिश कर रही है जिसका पर्दाफाश किया जाना जरूरी है. यह बात आज माकपा राज्य सचिवमंडल की बैठक के बाद पार्टी राज्य मुख्यालय मे आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कही
उन्होंने कहा कि सीपीएम के नेतृत्व मे प. बंगाल मे 34 साल और त्रिपुरा मे दो दशकों से ज्यादा समय तक वाममोर्चा की सरकार रही थी.अभी केरल मे भी पिछले 8 वर्षो से वाम - जनवादी मोर्चे की सरकार है लेकिन इन सरकारों और उनके मंत्रियों पर एक भी भष्टाचार के आरोप नहीं लगे.क्यो कि कम्युनिस्ट राजनीति को अपना हित साधने का माध्यम नहीं बनाते हैं बल्कि वे राजनीति मे उच्च आदर्शों के साथ जनता के हितों की हिफाजत को ही अपना कर्तब्य मानते हैं. माकपा स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूरे राज्य मे आजादी के आंदोलन मे स्थानीय योगदान को चिन्हित कर जिला स्तरीय समारोह आयोजित करेगी जिसकी शुरुआत धनबाद जिले से होगी.

प्रकाश विप्लव
राज्य सचिव

\- - - - - - - - - - -